हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 152 लखनऊ, शनिवार 24 जनवरी 2026 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

विकसित भारत की दिशा में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका

इंफ्रास्ट्रक्चर पर किया जा रहा भारी निवेश : पीएम मोदी

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि देश के विकास में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उनकी सरकार ने शहरी अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास में भारी निवेश किया है। पीए मोदी ने यहां केरल के विकास के लिए कई परियोजनाओं को शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष राजीव चन्द्रशेखर भी उपस्थित थे। पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत के निर्माण के काम में पूरा देश लगा हुआ है। हमारे शहरों ने इस विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। पिछले 11 वर्षों में हमारी सरकार ने शहरी अवसंरचना पर बड़ा निवेश किया है।

प्रधानमंत्री ने केरल को जोड़ने वाली तीन अमृत भारत ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार संपर्क सुविधाओं, विज्ञान एवं नवाचार तथा स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी बहुत अधिक निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि केरल में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के नये नवाचार केन्द्र का आज लोकार्पण, मेडिकल कॉलेज में रेडियो शल्यक्रिया केन्द्र की शुरुआत से केरल को विज्ञान, नवाचार और स्वास्थ्य सुविधाओं का केन्द्र बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केरल समेत सभी राज्यों के विकास को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने मेहनतकश लोगों और गरीबों की मदद के लिए अपने

सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुये आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिस मुफ्त बीमा सुविधा, महिलाओं के लिए मातृवंदना योजना, रेहडी पटरी पर काम करने वाले लोगों के लिए स्वनिधि योजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 12 लाख रुपये तक की व्यक्तिगत वार्षिक आय को कर से मुक्त किया है जिससे मध्यवर्गीय लोगों फायदा हुआ है। गरीबों का बिजली का खर्च कम हो इसके लिए पीएम सूर्यघर योजना चलायी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि केरल के विकास को आज नयी गति मिली है। केन्द्र सरकार के प्रयासों से राज्य में रेल संपर्क आज से और मजबूत हो रहा है। तिरुवनंतपुरम शहर को देश का एक बड़ा शहरी और व्यावसायिक गतिविधियों केन्द्र बनाने के लिए कई पहल की गयी है। इसके अतिरिक्त इस राज्य और पूरे देश में गरीबों के कल्याण के लिए पीएम स्वनिधि कार्ड का शुभारंभ किया गया है। स्वनिधि क्रेडिट कार्ड योजना का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री केरल के बाद आज ही तमिलनाडु जायेंगे और वहां चेंगलपट्टू में तीन बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

नेताजी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में साहस और संकल्प जाग उठता है : योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर पहुंचे। स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के साहसिक नेतृत्व और उनके योगदान

को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत माता के ऐसे महान पुत्र की पावन जयंती है, जिनका नाम आते ही हर भारतीय के सामने उनका विराट व्यक्तित्व स्वतः उभर आता है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह नेताजी के श्रीचरणों में नमन करते हैं। देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। नेताजी का जीवन हर भारतीय को विपरीत परिस्थितियों में भी देशद्रोही और देशविरोधी ताकतों के सामने न झुकने का दृढ़ संकल्प देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1897 में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार में जन्मे नेताजी को बचपन में ही उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन भेजा गया। आईसीएस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नौकरी ठुकरा दी। पूरी तरह भारत के स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश का स्वतंत्रता आंदोलन नई दिशा ले रहा था, उसी दौर में नेताजी ने क्रांतिकारियों के अग्रणी नेता के रूप में आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा और दिशा दी। उनका प्रभाव भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी साफ दिखाई देता था।मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का आह्वान "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" आजादी के आंदोलन का मंत्र बन गया। उनका उद्घोष "दिल्ली चलो" आज भी हर भारतवासी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि "कदम–कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा" जैसे गीत आज भी भारतीय सेना के दीक्षांत समारोहों में पूरे गर्व के साथ गाए जाते हैं। यह भी नेताजी की ही देन है, जिसने सैनिकों के मनोबल को हमेशा ऊंचा रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के भीतर ही नहीं, बल्कि जर्मनी, जापान सहित दुनिया के कई देशों में जाकर नेताजी ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया।

निवेशकों से 14 करोड़ की ठगी करने वाला पियर्स कंपनी का निदेशक पकड़ा गया, ईओडब्ल्यू ने किया गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। रकम दो से तीन गुना करने का झांसा देकर करीब 14 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले जालसाज को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने बृहस्पतिवार को गोरखपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी ने सैकड़ों ग्राहकों को झांसा

देकर ठगी को अंजाम दे चुका है। पियर्स एलायड कॉरपोरेशन लिमि. को दिल्ली व हरियाणा में रजिस्टर कराई गई। कंपनी के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दुबे, निदेशकों व कर्मचारियों ने कंपनी के बैंकिंग कार्य के लिए आरबीआई के तहत एनबीएफसी के रूप में पंजीकरण नहीं कराया। इसके बावजूद कई जिलों में कंपनी के कार्यालय खोले और सैकड़ों ग्राहकों को जोड़ा। लोगों को झांसा दिया गया कि कंपनी निवेश की गई रकम का दो से तीन गुना वापस कर लौटाएगी। इसी तरह से करीब 14 करोड़ रुपये निवेश करवाकर कंपनी ने सभी दफ्तर बंद कर दिए थे। मामले में आलमबाग थाने में केस दर्ज कराया गया था। शासन के आदेश पर केस की विवेचना ईओडब्ल्यू ट्रांसफर हो गई थी। ईओडब्ल्यू की टीम ने कानपुर के रहने वाले शैलेश कुमार उपाध्याय को गोरखपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी मूलरूप से गोरखपुर का निवासी है और वह कंपनी में निदेशक के पद पर काम करता था। तफ्तीश में सामने आया कि आरोपी लोगों को फर्जी रसीद आदि देते थे। उनका मकसद सिर्फ रकम का गबन करना था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक मामले में आठ आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

KGMU में सभी मजारों को हटाने का नोटिस चस्पा, 15 दिन का दिया गया समय

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में स्थित सभी अवैध मजारों को 15 दिन में हटाने का नोटिस जारी किया है। सभी मजारों पर इसका नोटिस चस्पा कर दिया गया है। 15 दिन में मजारें न हटने पर केजीएमयू प्रशासन ने अपने स्तर पर कार्रवाई शुरू करने की बात कही है। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि परिसर में स्थित इन अवैध मजारों की वजह से आवागमन बाधित हो रहा है। केजीएमयू पर प्रदेश भर के मरीजों का दबाव है। भीड़ ज्यादा होने से यहां पार्किंग का संकट है, आवागमन की भी समस्या है। मजार के आसपास काफी अतिक्रमण भी हो रहा है। इसलिए केजीएमयू प्रशासन ने अब इन अवैध मजारों को हटाने का फैसला किया है। इसलिए सभी को 15 दिन में मजार हटाने को कहा गया है। ऐसा न करने पर केजीएमयू प्रशासन इनको हटाएगा। इसमें आने वाले खर्च की भरपाई भी कराई जाएगी।

धर्मांतरण मामले के बाद बड़ा कदम

केजीएमयू में धर्मांतरण के प्रयास का मामला तूल पकड़ने के बाद केजीएमयू प्रशासन ने ये कड़ा कदम उठाया है। धर्मांतरण मामले में केजीएमयू और राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के बीच काफी तनातनी रह चुकी है। यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर उठा चुका है। इस समय स्पेशल टास्क फोर्स मामले की जांच कर रही है।

डेढ़ साल पहले शुरू हुआ अभियान

प्रवक्ता प्रो. केके सिंह के मुताबिक, डेढ़ साल पहले कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने परिसर की अवैध मजारों और अतिक्रमण हटाने के लिए समिति बनाई थी। समिति अवैध कब्जों को खाली कराने के लिए बराबर प्रयास कर रही है।

तीन स्थल खाली कराए, छह को नोटिस

प्रो. केके सिंह के अनुसार, अब तक केजीएमयू प्रशासन ने तीन अवैध स्थल खाली करा लिए हैं। इनमें नेत्र विभाग के पीछे 20 हजार वर्ग फीट, जगतनारायण रोड पर 70 हजार वर्ग फीट और शताब्दी–2 भवन के पीछे 60 हजार वर्ग फीट जमीन खाली कराई गई, जहां सर्जरी के नए भवन का निर्माण हो रहा है। अब बचे छह स्थलों को खाली कराया जाना है। इनमें क्वीन मेरी के मुख्य गेट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, ट्रॉमा सेंटर परिसर, ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशियलिटी भवन और टीजी हॉस्टल परिसर की अवैध मजार और अतिक्रमण है।

क्वीन मेरी के विस्तार के आड़े आ रही दुकानों पर सुनवाई 28 को

केजीएमयू के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के विस्तार की योजना उसके सामने स्थित दुकानों की वजह से अटकी है। इस मामले में केजीएमयू प्रशासन और दुकानदारों के बीच मामला न्यायालय में लंबित है। केजीएमयू प्रशासन के अनुसार यह मामला निपटने के बाद क्वीन मेरी का विस्तार हो सकेगा। 28 जनवरी को इस मामले में सुनवाई होनी है।

रोहतास ग्रुप की 350 करोड़ रुपये की संपत्तियां ईडी ने की जब्त......77 संपत्तियों पर चला ईडी का हंटर

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। निवेशकों का अरबों रुपये हड़पने वाले रोहतास ग्रुप की 350 करोड़ रुपये कीमत की 77 चल–अचल संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को जब्त कर लिया। इन संपत्तियों को 158.85 करोड़ रुपये में रोहतास ग्रुप के संचालक दीपक रस्तोगी और सहयोगी कंपनियों के नाम पर खरीदा गया था, जिनका मौजूदा बाजार मूल्य 350 करोड़ रुपये से अधिक है। ईडी इससे पहले भी रोहतास ग्रुप की 110 करोड़ रुपये कीमत की 68 संपत्तियों को जब्त कर चुका है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार को जब्त की गईं 141.21 करोड़ रुपये की संपत्तियां रोहतास ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमोटर दीपक रस्तोगी और सहयोगी कंपनी वर्धन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड, अध्याय रियल्टी इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी और कुछ बेनामीदारों के नाम पर पंजीकृत हैं। वहीं 17.64 करोड़ रुपये

की हाईनेस इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर हैं। सभी अचल संपत्तियां लखनऊ में स्थित हैं। ईडी ने रोहतास ग्रुप के खिलाफ निवेशकों द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गईं 83 एफआईआर के आधार पर मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी, जिसमें पता चला कि रोहतास प्रोजेक्ट लिमिटेड ने अपनी टाउनशिप योजनाएं श्सुल्तानपुर रोड प्रोजेक्टश, श्रायबरेली रोड प्रोजेक्टश और श्रोहतास प्लमेरियाश में ग्राहकों से प्लॉट और फ्लैट बुक कराने के लिए करोड़ों रुपये लिए थे। बुकिंग की तारीख से 30 महीने बाद निवेशक या तो संपत्ति पर कब्जा अथवा बुकिंग राशि की एकमुश्त 150 फीसद रकम ले सकते थे। हालांकि कंपनी ने अपने प्रोजेक्ट विकसित नहीं किए और ग्राहकों की जमापूंजी वापस नहीं लौटाई।

दूसरी जगह डायवर्ट की रकम

जांच में सामने आया कि रोहतास ग्रुप के प्रमोटरों ने खरीदारों से इकट्ठा किए गए पैसे को अपनी एसोसिएट कंपनियों और बेनामीदारों के नाम पर ज़मीन खरीदने में खपा दिया। इन संपत्तियों को छिपाने के लिए सहयोगी कंपनी वर्धन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर कर दिया। इसी तरह बेनामी संपत्तियों को भी अध्याय रियल्टी इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी को ट्रांसफर कर दिया। दीपक रस्तोगी ने इन बेनामीदारों से कुछ भूखंड हासिल कर उन्हें बैंकों के पास गिरवी रख दिया, ताकि आगे साफ–सुथरा बैंकिंग फंड मिल सके। ईडी इस मामले की आगे जांच कर रहा है।

सिंगापुर में दिखेगी सारंग की ताकत, चांगी में करतब के लिए तैयार भारतीय हेलीकाप्टर

एजेंसी

सिंगापुर। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अगले महीने की शुरुआत में कई प्रसिद्ध सैन्य एरोबेटिक टीम के साथ कदम से

कदम मिलाते हुए सिंगापुर एयरशो 2026 में उड़ान प्रदर्शन करेगी। एयरशो के आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सारंग टीम ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, सिंगापुर, हम आ गए हैं। सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित सिंगापुर एयरशो 2026 में सांसें रोक देने वाले करतब दिखाने के लिए तैयार है। इसे देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शानदार होने वाला है! सिंगापुर की आयोजक कंपनी एक्सपीरिया इवेंट्स ने बताया कि इस द्विवार्षिक आयोजन में हेलीकॉप्टर प्रदर्शन में शामिल अन्य टीम में इंडोनेशियाई वायु सेना की जुपिटर एरोबेटिक टीम और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स की बायी एरोबेटिक टीम शामिल हैं। यह एयरशो तीन से नौ फरवरी तक सिंगापुर के पूर्वी तट पर स्थित चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। एयर शो में छह वायु सेनाओं और दो वाणिज्यिक विमान निर्माताओं द्वारा कुल आठ हवाई प्रदर्शन किए जाएंगे। इस संस्करण के हवाई प्रदर्शन में आधुनिक लड़ाकू और वाणिज्यिक विमानों का मिश्रण देखने को मिलेगा। आयोजकों ने कहा कि रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स का उन्नत पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान श्एफ–35ए लाइटनिंग–दोश पहली बार एयरशो में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उन्होंने बताया कि रॉयल मलेशियन एयर फोर्स का सुखोई सु–30एमकेएम लड़ाकू विमान इस वर्ष भी शो में प्रदर्शन करेगा। इससे पहले वह 2016 और 2018 के संस्करणों में भी प्रदर्शन कर चुका है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू हाई–वे बंद... विमान सेवाएं बाधित, मौसम की पहली बर्फबारी से कश्मीर का अन्य क्षेत्रों से कटा सम्पर्क

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में कश्मीर घाटी के ज़्यादातर हिस्सों में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी होने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। बर्फबारी के कारण हवाई यातायात रोक दिया गया और श्रीनगर–जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग समेत जरूरी सड़कें अवरुद्व हो गयी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में पूरे कश्मीर में भारी बारिश हुई और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से भारी बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक मशहूर स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में आज सुबह करीब दो फीट बर्फबारी हुई। इस दौरान पहलगाम हिल रिसॉर्ट में 18 सेमी, काजीगुंड में पांच सेमी और कुपवाड़ा में 27 सेमी बर्फबारी हुई एवं श्रीनगर में 37 मिमी बारिश हुई।

राष्ट्रगीत से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस का आरोप, प्रधानमंत्री सबसे बड़े डिस्टॉरियन

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रगीत से जुड़े हालिया विवाद को लेकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे बड़े डिस्टॉरियन (इतिहास को विकृत करने वाले) हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य नेताओं ने नेताजी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेताजी को याद करते हुए संसद के बीते शीतकालीन सत्र में राष्ट्रगीत पर हुई।

उज्जैन के ताराना में फिर भड़की हिंसा, भीड़ ने कई घरों पर की पत्थरबाजी, बस भी फूंकी

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन के तराना में गुरुवार शाम को दो पक्षों के बीच शुरू हुए विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले

लिया। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और एक बस को आग के हवाले कर दिया। पुलिस–प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कस्बे को छावनी में तब्दील कर दिया है। दरअसल, गुरुवार शाम तराना में कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान सोहेल ठाकुर नामक युवक पर प्राणघातक हमला किया गया। सोहेल पर हमले के विरोध में शुक्रवार को माहौल गरमा गया। कुछ अज्ञात तत्वों ने मोहल्लों में घुसकर घरों पर पथराव किया, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए. शरारती तत्वों ने उग्र होकर एक बस में आग लगा दी, जिससे पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई।उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सोहेल ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया है, जिनमें से 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। छठे आरोपी की तलाश जारी है। सोहेल ठाकुर फिलहाल अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में है, उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रशासन ने तराना में शांति बहाल करने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। कस्बे में 300 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। संदिग्धों की पहचान के लिए ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी का उपयोग किया जा रहा है।

देश में दिखी बसंत पंचमी की धूम, 2.10 करोड़ श्रध्दालुओं ने गंगा और संगम में लगाई डुबकी

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में जारी माघ मेले में शुक्रवार को बसंत पंचमी स्नान पर्व पर दोपहर 12 बजे तक 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि कल रात 12 बजे से ही लोगों का संगम क्षेत्र में आगमन और स्नान जारी है और आज बसंत पंचमी पर दोपहर 12 बजे तक 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। मेलाधिकारी ऋषिराज ने कहा कि मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब मौजूद है। कंट्रोल रूम के माध्यम से श्रद्धालुओं के आवागमन पर नजर रखी जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक कैमरे क्रियाशील हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों की भी निगरानी की जा रही है।

सभी जगहों पर पुलिस प्रशासन के कर्मचारी अधिकारी तैनात हैं। तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि चूंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का वास है, इसलिए यहां बसंत पंचमी स्नान का विशेष महत्व है। बसंत पंचमी पर पीला वस्त्र धारण करने, पीली वस्तुओं का दान करने का विधान है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के दिन से ही ऋतु परिवर्तन का एहसास जनमानस को होने लगता है और लोग गुलाल आदि लगाकर इसे उत्सव के रूप में मनाते हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान और योग

आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग तैयार की गई हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकते हैं।

संपादकीय

अगले महीने हाथ मिला सकते हैं दो अकाली दल

शिरोमणि अकाली दल, जिसे अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, जिसने पिछले 2 दशकों में 3 बार सरकार बनाई है, पिछले एक दशक से बहुत मुश्किल समय का सामना कर रहा है। इस मुश्किल समय का कारण न केवल सरकार चलाते समय की गई गलतियां हैं, बल्कि कई नए अकाली दलों का उभरना भी है। इनमें शिरोमणि अकाली दल डैमोक्रेटिक, शिरोमणि अकाली दल टकसाली, शिरोमणि अकाली दल संयुक्त, अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शामिल हैं। हालांकि अब अकाली दल डैमोक्रेटिक, अकाली दल टकसाली और अकाली दल संयुक्त का वजूद नहीं है लेकिन अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शिरोमणि अकाली दल बादल के लिए बड़ा सिरदर्द बन गए हैं। अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के 2 बड़े नेता भाई अमृतपाल सिंह और भाई सरबजीत सिंह पार्टी बनाने से पहले ही लोकसभा चुनाव जीत चुके थे। बाद में, उनके समर्थकों ने भाई अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह और भाई सरबजीत सिंह के साथ मिलकर अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' नाम की पार्टी बनाई और जेल में बंद भाई अमृतपाल सिंह को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया। फिर पार्टी का संगठनात्मक ढांचा बनाना शुरू किया। सबसे पहले, पार्टी की सबसे ताकतवर कमेटी, 'पंच प्रधानी पंज मैंबरी कमेटी' बनाई गई। इसके बाद, 13 मैंबर वाली वर्किंग कमेटी और 13 प्रवक्ता नियुक्त किए गए। जिला लैवल पर कार्रवाई चलाने के लिए सभी जिलों से ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए और निचले स्तर पर एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत ने शुरू में ढांचा बनाने में लापरवाही दिखाई, लेकिन बाद में बड़े स्तर पर पद बांटे गए। पार्टी अध्यक्ष ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कोर कमेटी, पार्टी के सीनियर वाइस प्रैसिडैंट, वाइस प्रैसिडैंट, महासचिव, संगठनात्मक सचिव, ऑफिस सैक्रेटरी और कई दूसरे पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी अध्यक्ष ने पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन और स्पोक्सपर्सन भी नियुक्त किए। राजनीतिक मामलों पर सोच–विचार करने और फैसले लेने के लिए एक राजनीतिक मामलों की समिति (पी.ए.सी.) भी बनाई गई। इतना बड़ा ढांचा बनाने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत लोगों की उम्मीदों के मुताबिक राजनीतिक कदम उठाने में कामयाब नहीं हो सका। यहां तक कि पार्टी खुद की बनाई गाइडलाइंस पर भी कायम नहीं रह सकी कि एक परिवार को एक पद मिलना चाहिए, जिससे पार्टी के आगे के कामकाज पर सवालिया निशान लगने लगे। यहां तक कि इसी वजह से पार्टी की भर्ती के शुरुआती दौर में मेहनती वर्कर और नेता भी साफ तौर पर परेशान थे कि मेहनती लोग पीछे छूट गए। उनमें से कई को एक भी पद नहीं मिला और नए तथा बड़े नेताओं के परिवार वालों को कई पद दे दिए गए। इसी दुविधा के चलते अकाली दल पुनर सुरजीत ने ढांचा खत्म करने का फैसला किया है, हालांकि कोई भी बड़ा नेता खुलकर इस फैसले को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि पार्टी का नाम चुनाव आयोग में रजिस्टर कराने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। अकाली दल पुनर सुरजीत ने इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया में पार्टी की रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है। जानकारी के मुताबिक, पार्टी ने 3 नाम लिखे हैं, जिनमें शिरोमणि अकाली दल पंजाब, शिरोमणि अकाली दल सर्ब हिंद और अकाली दल शामिल हैं। इस तरह, अगर चुनाव आयोग इनमें से किसी भी नाम को मान्यता देता है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत का स्थान एक नया अकाली दल ले लेगा। अब जब विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल बचा है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत और वारिस पंजाब दे ने पिछले ब्लॉक समिति और जिला परिषद के चुनाव न लड़कर शिरोमणि अकाली दल बादल को जरूर नुकसान पहुंचाया लेकिन दोनों पािटयों के नेताओं को पता चल गया है कि चुनाव न लडने की वजह से दोनों पाध्टयों की हालत शिरोमणि अकाल दल बादल से कमजोर दिखने लगी है, इसलिए दोनों पार्टियों के नेता खुद को विरोधी अकाली दल से ज्यादा मजबूत साबित करने का तरीका ढूंढ रहे हैं। इसी वजह से माघी के मौके पर कॉन्फ्रैंस न करने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत के दो बड़े नेताओं ने अकाली दल 'वारिस पंजाब दे' के मंच से संबोधित होकर लोगों तक अपनी पार्टी का मैसेज पहुंचाने की कोशिश की और शिरोमणि अकाली दल बादल को यह भी बताने की कोशिश की कि शिरोमणि अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के अध्यक्ष का पद छोड़े बिना एकता मुमकिन नहीं है। लेकिन सुखबीर सिंह बादल ने इस बात का ध्यान रखते हुए अकाली दल पुनर सुरजीत और दूसरे अकाली नेताओं से शिरोमणि अकाली दल बादल में शामिल होने की अपील दोहराई।

राशिफल

मेष :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

बृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा।

'वाइफ स्वैपिंग' और हमारे रिश्तों की टूटती नींव : समाज का आईना

–डॉ. प्रियंका सौरभ

कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन पर लिखना आसान नहीं होता। वे केवल शब्दों की नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और नैतिक साहस की भी माँग करते हैं। यह विषय भी उन्हीं में से एक है, जहाँ चुनौती केवल प्रस्तुति की नहीं, बल्कि उस सच को सामने लाने की है जिसे समाज अक्सर ढककर रखना चाहता है। संस्कृति की आड़ में या आधुनिकता के नाम पर जिस चुपचाप गिरावट को स्वीकार किया जा रहा है, उस पर प्रश्न उठाना अब ज़रूरी हो गया है। आज जब परिवार की पवित्र संस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, 'वाइफ स्वैपिंग' जैसी प्रवृत्ति न केवल वैवाहिक बंधनों को चुनौती दे रही है, बल्कि पूरे समाज के मूल्यों को झकझोर रही है। "वाइफ स्वप्पिंग" सुनते ही अधिकतर लोग इसे पश्चिमी संस्कृति या महानगरों तक सीमित मान लेते हैं। यह सोच हमें आत्मसंतोष देती है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अधिक असहज और व्यापक है। क्या यह प्रवृत्ति वास्तव में केवल बड़े शहरों तक सीमित है, या फिर इसकी छाया गाँवों और छोटे कस्बों तक भी पहुँच चुकी हैकृबस हम उसे देखने से बच रहे हैं? उत्तर प्रदेश, केरल और लद्दाख जैसे क्षेत्रों से सामने आए मामले बताते हैं कि यह समस्या ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर मौजूद है। यह विषय सनसनी फैलाने के लिए नहीं, बल्कि समाज के भीतर बदलते रिश्तों को समझने के लिए ज़रूरी है। यह विवाह संस्था की कमजोर होती नींव, रिश्तों में बढ़ती दरार और आधुनिकता के नाम पर मूल्यों की गलत व्याख्या की ओर ध्यान दिलाता है। यह केवल शारीरिक इच्छा का प्रश्न नहीं, बल्कि असुरक्षा, मानसिक अधूरापन, संवादहीनता और सामाजिक पाखंड का परिणाम भी है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से इसमें भावनात्मक शोषण, ईर्ष्या और विश्वास का पूर्ण विघटन होता है। इस तरह के संवेदनशील विषय को संतुलित और मर्यादित भाषा में रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गंभीरता बनी रहे। यह भी सामने आता है कि किस प्रकार सामान्य दिखने वाले परिवार धीरे–धीरे ऐसे कुचक्र में फँस जाते हैं, जहाँ रिश्ते भावनाओं की जगह समझौते और दिखावे का रूप ले लेते हैं। बैंगलोर, हापुड़ जैसे स्थानों से सामने आए मामले इसकी पुष्टि करते हैं। आज यह मान लेना भूल होगी कि ऐसी प्रवृत्तियाँ केवल महानगरों तक सीमित हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट ने जहाँ स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, वहीं मूल्यों के क्षरण को भी आसान बना दिया है। आभासी दुनिया में "सामान्य" लगने वाली भाषा, व्यवहार और रिश्ते वास्तविक जीवन में परिवारों की नींव हिला रहे हैं। आईटी क्रांति, उपभोक्तावादी संस्कृति और पश्चिमी प्रभाव ने युवा वर्ग में प्रयोग की होड़ बढ़ाई है। आर्थिक असमानता, संयुक्त परिवार का विघटन और महिलाओं की आर्थिक निर्भरता इसे बढ़ावा दे रही हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से यह यौन असंतोष, ईर्ष्या और रोमांच की तलाश से उपजता है। भारतीय संदर्भ में यह पुरुषप्रधान समाज की देन है। पत्नियाँ डर के मारे चुप रहती हैंकृतलाक का कलंक, आर्थिक असुरक्षा या परिवार का विघटन। सोशल मीडिया ग्रुप्स ने इसे संगठित रूप दिया है। टियर–2 शहरों में तकनीक–साक्षर युवा इसमें लिप्त हैं। इसके प्रभाव विनाशकारी हैं। वैवाहिक स्तर पर विश्वास टूटता है, ईर्ष्या बढ़ती है, भावनात्मक लगाव नए पार्टनर से हो जाता है। बच्चों पर असर लंबे समय तक रहता हैकृवे असुरक्षा और रिश्तों की अस्थिरता सीखते हैं। विस्तारित परिवार समर्थन छोड़ देता है। समाज स्तर पर यह नैतिक क्षय और महिलाओं के शोषण को बढ़ावा देता है। भारत में परिवार संरचना बदल रही है, लेकिन यह विकृति नई चुनौतियाँ ला रही है। यह विमर्श केवल प्रश्न खड़े नहीं करता, बल्कि समाधान की ओर भी संकेत करता है। परिवार स्तर पर खुला संवाद, काउंसलिंग, भावनात्मक अंतरंगता आवश्यक है। समाज स्तर पर स्कूलों में नैतिक शिक्षा, महिलाओं का सशक्तिकरण ज़रूरी है। कानूनी स्तर पर प्च्ब् धाराओं का सख्त उपयोग, परिवार परामर्श नीतियाँ बनानी चाहिए। यह विषय अश्लीलता नहीं, बल्कि समाज का आईना है। यह पाठक को असहज करता है, सोचने पर मजबूर करता है। शायद इसी असहजता में इसका सबसे बड़ा सामाजिक महत्व निहित हैकृकि हम अपने रिश्तों को पुनः परिभाषित करें। समय है जागने का।

सशक्त बालिका, समर्थ राष्ट्र : विकास की नई उड़ान

–सुनील कुमार महला

हर साल 24 जनवरी को भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस(नेशनल गर्ल चाइल्ड डे) मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिन समाज में लड़कियों के प्रति भेदभाव को मिटाने(समाज से लैंगिक भेदभाव को खत्म करने),बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं और कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने और उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाने के लिए समर्पित है। कहना ग़लत नहीं होगा कि लड़कियों को समान अवसर देकर ही समृद्ध, सुरक्षित और समतावादी समाज बनाया जा सकता है। वास्तव में,यह दिन हमें याद दिलाता है कि आज की बालिका ही देश का उज्जवल भविष्य है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह दिन 24 जनवरी को इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह महिलाओं की शक्ति और नेतृत्व का प्रतीक है। वास्तव में इस दिवस को मनाने की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा की गई थी ।हरियाणा के एक छोटे से गांव बीबीपुर (जींद जिला) से शुरू हुआ यह अभियान(सेल्फी विद डॉटर) अब राष्ट्रीय बालिका दिवस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 की थीम श्एमपावरिंग गर्ल्स फोर आ ब्राइट फ्यूचर श यानी कि श्उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनानाश रखी गई थी। इसमें लड़कियों के कौशल विकास और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 के लिए संभवतः केंद्र और राज्य सरकारें बालिकाओं की शिक्षा, कौशल, सुरक्षा, बालिकाओं का डिजिटल सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता को मजबूत बनाना जैसे संदेश पर फोकस करेंगी, ताकि हर लड़की को अपने सपनों को साकार करने का मौका मिल सके। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन का श्लापता महिलाएंश (मिसिंग विमेन) का सिद्धांत राष्ट्रीय बालिका दिवस की मूल भावना से गहराई से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अमर्त्य सेन ने 1990 में एक चौंकाने वाला आंकड़ा दिया कि दुनिया में लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) महिलाएं श्लापताश हैं ।इसका असली मतलब यह है कि अगर समाज में स्त्री और पुरुष को समान स्वास्थ्य, पोषण और अवसर मिलते, तो महिलाओं की संख्या आज की तुलना में 10 करोड़ ज्यादा होती। दूसरे शब्दों में कहें तो अमर्त्य सेन का श्लापता महिलाएंश सिद्धांत सीधे तौर पर उन सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा करता है, जिन्हें खत्म करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। सेन के अनुसार, समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और पोषण में कमी के कारण करोड़ों लड़कियां जन्म ही नहीं ले पातीं या समय से पहले मृत्यु का शिकार हो जाती हैं, जिससे जनसंख्या के आंकड़ों में उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले काफी कम हो जाती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस इसी श्लापताश होने की प्रक्रिया को रोकने का एक बड़ा संकल्प है, जिसका उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करना, लड़कियों की शिक्षा सुनिश्चित करना और उनके प्रति समाज की मानसिकता को बदलना है ताकि भविष्य में कोई भी बालिका संसाधनों के अभाव या भेदभाव के कारण समाज के नक्शे से ओझल न हो। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष 2025 का समारोह 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक चलाया गया था, जिसका समापन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी कि 8 मार्च 2025 को हुआ। पिछले ही साल सुकन्या समृद्धि योजना की भी दसवीं वर्षगांठ मनाई गई थी। गौरतलब है कि यह योजना केंद्र सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के तहत शुरू की गई एक प्रमुख छोटी बचत योजना है, जो बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य, शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। आज भारत सरकार और राज्य सरकारें बेटियों और महिलाओं के सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ चला रही हैं। इनमें क्रमशः बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ(लड़कियों के जन्म पर सकारात्मक सोच, बचपन में स्वास्थ्य सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए), सुकन्या समृद्धि योजना(बचत योजना), सबला/किशोरी शक्ति योजना (किशोरियों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन कौशल और कौशल प्रशिक्षण को सशक्त बनाने के लिए), प्रगति– तकनीकी शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (एआईसीटीई–स्कीम),उड़ान योजना (सीबीएसई का मेरिट–आधारित सहायता प्रोग्राम) आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा,ग्रामीण व महिला समुदायों में जागरूकता, प्रशिक्षण और रोजगार–समर्थन के लिए महिला शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। केंद्र सरकार ही नहीं देश के विभिन्न राज्यों में आज बालिकाओं/महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रहीं हैं। इनमें क्रमशः पश्चिम बंगाल में कन्याश्री प्राकल्प(यह योजना 13द्द18 वर्ष की लड़कियों को शिक्षा जारी रखने और विवाह रोकने के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति और एक–बार की आर्थिक सहायता प्रदान करती है),मध्य प्रदेश सहित कई राज्य लाडली लक्ष्मी योजना चला रहे हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह योजना जन्म से लेकर 21 वर्ष की उम्र तक लड़कियों के लिए जमा/वित्तीय सहायता प्रदान करती है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को लक्ष्य बनाती है। ओडिशा में खुशी योजना एक अन्य योजना है,जो स्कूल–जाने वाली लड़कियों को निशुल्क सैनिटरी पैड प्रदान कर स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करती है ।इसके अलावा ओडिशा में ही सबहद्रा योजना भी चलाई जा रही है,जो 21–60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिवर्ष वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली बड़ी महिला–केंद्रित योजना है। वास्तव में यह योजना लड़कियों /महिलाओं के सामाजिक – आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देती है। इतना ही नहीं,नमो ड्रोन दीदी योजना एक आधुनिक पहल है जिसमें स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं/लड़कियों को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन उड़ाने और उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अंत में , राष्ट्रीय बालिका दिवस का मुख्य निष्कर्ष यह है कि समाज में बालिकाओं के प्रति दृष्टिकोण में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। आज बालिकाएं केवल घरेलू सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहीं हैं, बल्कि आज वे शिक्षा, खेल, अंतरिक्ष , बैंकिंग, सेना, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी जैसे हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज विभिन्न सरकारी योजनाओं और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से लिंगानुपात में बहुत सुधार हुआ है और बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों में अभूतपूर्व कमी आई है। हालांकि, पूर्ण सशक्तीकरण के लिए अभी भी सुरक्षा, पोषण और उच्च शिक्षा के स्तर पर निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। अंततः, यह दिन हमें संकल्प दिलाने का माध्यम है कि एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है जब बेटियों को समान अधिकार, सुरक्षा और अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर मिले।

भारत का भविष्य-निर्माण, मांग, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भरता

–गिरिराज सिंह

प्रत्येक भारतीय वस्त्र उत्पाद में कपड़े से कहीं आगे की कहानी छिपी होती है, यह कहानी साहस, आत्मविश्वास और शांत परिवर्तन से जुड़ी है। यह प्रतिबिंबित करती है कि कैसे एक महिला गरिमा के साथ कार्यबल में प्रवेश करती है, कैसे एक परिवार निरंतर आय के माध्यम से स्थिरता पाता है और किस प्रकार प्रथम–पीढ़ी का उद्यमी, कौशल को आत्मनिर्भरता में बदल देता है। पिछले 11 वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजक और जन–केंद्रित वृद्धि इंजन में बदल गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है। भारत के वस्त्र उद्योग के पुनरुत्थान का आधार मजबूत घरेलू मांग और बढ़ते उपभोग में निहित है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत दुनिया के सबसे सुदृढ़ वस्त्र बाजारों में से एक है। इस परिवर्तन का पैमाना आंकड़ों से स्पष्ट होता है। भारत का घरेलू वस्त्र बाजार केवल 5 वर्षों में लगभग 8.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर अनुमानित 13 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले दशक में प्रति व्यक्ति वस्त्र उपभोग लगभग दोगुना हो गया है, जो 2014–15 के लगभग 3,000 रुपए से बढ़कर 2024–25 में 6,000 रुपए से अधिक हो गया और 2030 तक फिर इसके दोगुनी वृद्धि के साथ 12,000 रुपए होने का अनुमान है। इस मांग–आधारित विस्तार का प्रतिबिंब निर्यात में दिखाई पड़ता है। वस्त्र और परिधान का निर्यात 2019–20 के 2.49 लाख करोड़ रुपए, जिस वर्ष कोविड की आपदा आई थी, से बढ़कर 2024–25 में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार कोविड के बाद के दौर में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वस्त्र उद्योग भारत की रोजगार अर्थव्यवस्था का प्रमुख घटक है। आज, यह क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार–प्रदाता है, जो 2023–24 के अंत तक लगभग 5.6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। कार्यबल की यह संख्या 2014 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। कोविड के बाद का चरण विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है– 2020 से निर्यात–केंद्रित विकास से केवल संगठित क्षेत्र में ही अनुमानित 1.5 करोड़ नई नौकरियों का सृजन हुआ है। इस निर्यात सुदृढ़ता के पीछे एक निर्णायक बदलाव छिपा है, जो क्षमता–आधारित वृद्धि की दिशा में किया गया है। पिछले दशक में वस्त्र क्षेत्र का विस्तार एक अनजानी नायिका, सिलाई मशीन, की शक्ति से संभव हुआ। एक उपकरण से आगे बढ़ कर सिलाई मशीन वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक बन गई है, इससे यह बात साबित होती है कि कभी–कभी रोजगार और औद्योगिक स्तर पर सबसे बड़े परिवर्तन सबसे छोटी मशीनों से शुरू होते हैं। केवल कोविड के बाद ही, 1.8 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें भारत के उत्पादन इकोसिस्टम के लिए आयात की गई हैं। 2024–25 में, आयात 61 लाख मशीनों के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्रत्येक मशीन वस्त्र–से–परिधान मूल्य शृंखला में लगभग 1.7 श्रमिकों के रोजगार का समर्थन करती है। परिणामस्वरूप, महामारी के बाद सिलाई मशीन के आयात में वृद्धि से वस्त्र क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है, इस प्रकार क्षमता विस्तार को बड़े पैमाने पर रोजगार वृद्धि के साथ मजबूती से जोड़ा गया है। महत्वपूर्ण यह है कि रोजगार सृजन केवल आधुनिक कारखानों तक सीमित नहीं रहता। जब इकाइयां उन्नत होती हैं, तो पुरानी मशीनें ग्रे मार्कीट में चली जाती हैं और छोटे उद्यमों, सिलाई इकाइयों और घरेलू व्यवसायों द्वारा इनका पुनरू उपयोग किया जाता है, जिससे जमीनी स्तर पर रोजगार का विस्तार होता है। इस विकेंद्रीकृत विस्तार के केंद्र में महिलाएं, ग्रामीण युवा और पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। विशेष रूप से असंगठित खंड में इस रोजगार के पूरे पैमाने की पहचान करने और समझने के लिए, सरकार जिला नेतृत्व में वस्त्र रूपांतरण (डी.एल.टी.टी.) पहल को आगे बढ़ा रही है, जो यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि रोजगार वृद्धि केवल संख्या में बड़ी न हो, बल्कि कौशल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा समर्थित भी हो। 2030 के लिए हमारा विजन स्पष्ट है– वस्त्र उद्योग को भारत में रोजगार सृजन और समावेशी विकास के सबसे मजबूत इंजनों में से एक के रूप में स्थापित करना। फास्ट फैशन एक शक्तिशाली नए संचालक के रूप में उभर रहा है। आज 20 अरब डॉलर के मूल्य वाले वैश्विक फास्ट फैशन बाजार की 2030 तक 60 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके लिए चुस्त निर्माण और तेज उत्पादन की मांग भारत को अनुकूल स्थिति प्रदान करती है और इससे अगले 4 वर्षों में रोजगार के लगभग 40 लाख अतिरिक्त अवसरों के सृजन की उम्मीद है। पी.एम. मित्र पार्क में अकेले 20 लाख से अधिक रोजगार सृजन की क्षमता है, जबकि पी.एल.आई. योजना नए कारखानों और नए निवेशों के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के 3 लाख से अधिक अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। व्यापक वस्त्र मूल्य शृंखला आजीविका के लगभग 50 लाख अतिरिक्त अवसरों का सृजन करेगी। नए मुक्त व्यापार समझौते वस्त्र निर्यात और रोजगार बढ़ा रहे हैं और आने वाले भारत–ई.यू. एफ.टी.ए. से नए बाजार खुलेंगे, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार का अगला प्रवाह पैदा होगा। औद्योगिक विकास के साथ–साथ, भारत का हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र सतत रोजगार का आधार बना हुआ है। 65 लाख से अधिक कारीगरों और बुनकरों का समर्थन करने वाला यह क्षेत्र पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार उत्पादों की वैश्विक मांग के साथ स्वाभाविक रूप से अनुकूल है। निर्यात वर्तमान में लगभग 50,000 करोड़ रुपए है और 2032 तक इसे दुगना करके 1 लाख करोड़ रुपए करने का स्पष्ट लक्ष्य है। विशिष्ट योजनाओं और बाजार तक आसान पहुंच से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से, 2030 तक कार्यबल में लगभग 20 लाख अतिरिक्त कारीगरों और बुनकरों के शामिल होने की उम्मीद है। कोविड के बाद, 2020 से 2030 के दशक में भारतीय वस्त्र उद्योग के रूपांतरित होने की संभावना है और इस क्षेत्र से संगठित और असंगठित क्षेत्रों में 5 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। जैसे–जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर आगे बढ़ रहा है, वस्त्र उद्योग आत्मनिर्भर, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाता रहेगा, जहां आधुनिक उत्पादन क्षमता, कुशल श्रमिक और सुदृढ़ मांग साथ मिलकर गरिमा के साथ विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता

जम्मू–कश्मीर में साइबर पुलिस की ओर से पत्रकारों को तलब किए जाने पर और उनसे हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाने के आरोपों पर प्रेस की आजादी का सवाल नए सिर से खड़ा हो गया है। पिछले हफ्ते जम्मू–कश्मीर में पुलिस ने मस्जिदों की प्रबंधन समितियों के सदस्यों और उनके परिवारों की सभी निजी जानकारियां इकट्ठा करने का अभियान शुरू किया था। कई बड़े अखबारों के इस खबर को छापने पर श्रीनगर में मौजूद उनके संवाददाताओं को साइबर पुलिस ने तलब किया। इसी सिलसिले में इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकारों के साथ किया गया सलूक अब विवाद का कारण बन गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक पिछले 20 सालों से उनके संपादक रहे बशारत मसूद ने श्रीनगर के साइबर पुलिस थाने में चार दिनों में 15 घंटे बिताए और उनसे एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया कि वह शांति भंग करने वाला कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि बशारत मसूद ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि उसके संवाददाता आशिक हुसैन को भी मौखिक समन मिला था, लेकिन अखबार ने जवाब देने के लिए श्कारण सहितश लिखित समन की मांग की ।इस मामले पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का सवाल उठाते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि, श्पत्रकारों को मनमाने ढंग से तलब करना, पुलिस की ओर से पूछताछ करना और दबाव में हलफनामे लेने की कोशिश करना, मीडिया को उसके वैध कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए किया गया जबरदस्ती और डराने–धमकाने जैसा कदम है ।श एडिटर्स गिल्ड ने पुलिस और अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयां नहीं करने की अपील की है, जो अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करती हैं और मीडिया को उसके मूल कामकाज से रोकती हैं। वहीं डिजीटल मीडिया के संगठन डिजीपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन ने इसे श्पत्रकारों का उत्पीड़नश बताया है। डिजीपब के बयान में कहा गया, श्पत्रकारों को तलब करने के ठोस कारण नहीं बताए गए। हफ्घ्तों तक उन्हें अलग–अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता रहा, लेकिन बार–बार पूछने के बावजूद किसी कथित अपराध की जानकारी नहीं दी गई। जनहित के लिए की जाने वाली ऐसी पत्रकारिता को अपराध की तरह पेश करना और बिना कघनूनी प्रक्रिया के श्पत्रकारों को बॉन्ड पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर करना प्रेस की आजादी पर गंभीर हमलाश है। बयान में यह भी कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से श्जम्मू–कश्मीर में प्रेस की आजादी लगातार कमजोर हुईश है ।इन दोनों महत्वपूर्ण संगठनों के बयानों से जाहिर होता है कि प्रेस की आजादी को लेकर वे चिंतित हैं, लेकिन पिछले 12 सालों में पत्रकार उत्पीड़न की यह न पहली घटना है और न इसे आखिरी माना जा सकता है। बल्कि अब जो हालात बने हैं, उसमें स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए जगह सिमटती जा रही है। इन दोनों संगठनों को अगर पत्रकारों और पत्रकारिता की हालत दुरुस्त करनी है, तो सरकार से केवल अपील करके काम नहीं चलेगा, इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाने और पत्रकारों को एकजुट करने की भी जरूरत है ।मौजूदा माहौल में पत्रकार भी दो खेमे में बंटे हुए हैं।

यूपी में कौशल क्रांति को मिलेगी नई रफ्तार

एनएईसी-एससीवीटी के बीच एमओयू

उद्योग-शिक्षा सहभागिता से बनेगा सशक्त स्किल इकोसिस्टम

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में जनपद गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर एनएईसी और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद एससीवीटी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू प्रदेश में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमशीलता को नई दिशा देने वाला साबित होगा। एनएईसी द्वारा पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जनपदों के 128 विकास खंडों और 10,323 ग्रामों से जुड़े एक लाख अभ्यर्थियों को आगामी पांच वर्षों में 28 सेक्टरों में अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। 70,000 अभ्यर्थियों को औद्योगिक इकाइयों में प्रशिक्षण के बाद रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा।देश के प्रमुख अपैरल निर्यात क्लस्टर के रूप में एनएईसी की सबसे बड़ी विशेषता गारमेंट उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराना होगा। प्रशिक्षण से लेकर प्लेसमेंट तक की पूरी प्रक्रिया एनएईसी द्वारा अपने डिजिटल पोर्टल "कौशल गंगा" के माध्यम से प्रबंधित की जाएगी।

"कौशल आजीविका" और "कौशल बाजार" पोर्टल प्रशिक्षणार्थियों को आजीविका और बाजार से जोड़ने में सहायक होंगे। सहभागिता में राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की अहम भूमिका होगी। एससीवीटी, जो भारत सरकार की राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद की मान्यता प्राप्त अवार्डिंग बॉडी है, प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन और प्रमाणन का कार्य करेगी। एनएईसी द्वारा एससीवीटी को प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए प्रमाणन शुल्क के रूप में 1200 रूपये दिए जाएंगे। एससीवीटी अपने स्तर से भी पाठ्यक्रम तैयार कर उन्हें राष्ट्रीय परिषद से अनुमोदित कराएगी। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर युवा हुनरमंद बने और उसे रोजगार के लिए भटकना न पड़े। एनएईसी व एससीवीटी के बीच हुआ यह एमओयू उद्योग व शिक्षा के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगा। इससे न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश देश का स्किल हब बनकर उभरेगा।

5 दिवसीय बैंकिंग लागू करने की मांग को लेकर बैंककर्मियों का आंदोलन और तेज

अन्य संस्थानों की तरह बैंकों में भी 5 कार्य दिवस की एक मात्र मांग

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस द्वारा 5 दिवसीय बैंकिंग लागू न करने के विरोध में आज स्टेट बैंक, प्रधान कार्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए काम.दिनेश कुमार सिंह, महामंत्री (एनसीबीई) ने बताया कि बैंक शाखाओं में कर्मचारियों व अधिकारियों पर बढ़ते तनाव एवं दबाव को देखते हुए यूनाइटेड फोरम ने पांच दिवसीय बैंकिंग लागू करने की मांग की थी। सिंह ने कहा कि अन्य वित्तीय संस्थानों जैसे रिजर्व बैंक, जीवन बीमा, सेबी, नाबार्ड, जीआईसी तथा विभिन्न सरकारी विभागों में यह व्यवस्था पहले से ही लागू है, किंतु सरकार बैंककर्मियों की इस एक मात्र मांग की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि बैंकों में पहले से ही दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश हो रहा है तथा आईबीए और यूएफबीयू की सहमति के अनुसार शेष बचे 2/3 शनिवारों को भी अवकाश घोषित करने के बदले बैंककर्मी सोमवार से शुक्रवार प्रत्येक दिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य किया करेंगे। विदित हो कि कल माननीय मुख्य श्रमायुक्त से हुई समझौता वार्ता में भी सरकार की हठधर्मिता के कारण कोई हल नहीं निकल पाया। अतः बाध्य होकर बैंककर्मी आगामी 27 जनवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने जा रहे हैं। इस हड़ताल के कारण जन समुदाय को होने वाली असुविधा के लिए सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया बैंक कर्मियों ने अनेक प्रदर्शन, धरना, ट्विटर अभियान, रैली आदि करके सरकार से इस मांग को पूरा करने का आग्रह किया, पर सरकार अभी भी अपनी जिद पर है। प्रेस वार्ता को फोरम के वरिष्ठ पदाधिकारियों सर्वश्री लक्ष्मण सिंह, आर.एन शुक्ला, शकील अहमद, वी के माथुर, संदीप सिंह, विभाकर कुशवाहा, प्रभाकर अवस्थी, बी डी पाण्डेय आदि ने संबोधित किया। अनिल तिवारी, मीडिया प्रभारी ने बताया कि 27 जनवरी को होने वाली देशव्यापी बैंक हड़ताल के दिन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंककर्मियों द्वारा इंडियन बैंक, हजरतगंज में 11रू30 बजे से सभा एवं विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त

'न किसी को स्नान' और 'दान' से न रोकें, अखिलेश का तंज, भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए

संवाददाता

लखनऊ। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर भाजपा के खिलाफ लिखा कि न किसी को 'स्नान' से रोकें, न किसी को 'दान' से रोकें। सदियों से जो चलती आई, वो सनातनी–सरिता न रोकें। भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए। इसके पहले भी उन्होंने लिखा था कि सच्चे सनातनी भाजपा के द्वारा जगद्गुरु शंकराचार्य जी और उनके अनुयायियों के साथ हुए अभद्र–अपमानजनक दुर्व्यवहार से बेहद दुखी हैं और अब तो मुखर भी हो रहे हैं।

जिस तरह उनके समर्थन में आम लोगों के वीडियो इंटरनेट पर बढ़ते जा रहे हैं, उससे प्रतीत होता है कि भाजपा की धर्म–विरोधी पाप के विरुद्ध जन–आक्रोश उबाल पर है। न्यूज चौनल पर जिस तरह पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी से बात की गयी है वो भी अशोभनीय है, हमारे देश में ध र्म–पताका लेकर चलने वालों के आगे हाथ जोड़े जाते हैं, बांधे नहीं जाते हैं। दंभी माफी नहीं मांगते हैं, अनर्गल तर्क देते हैं। ज्ञात हो कि प्रयाग में चल रहे माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और मेला प्रशासन के बीच शुरू हुआ विवाद अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। स्नान व्यवस्था को लेकर उत्पन्न तनाव ने धार्मिक, प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

केजीएमयू में वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन डिप्टी सीएम ने की पूजा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में वसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती का पूजन हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पूजा–अर्चना करके वसंतोत्सव का शुभारंभ किया। प्रसाद के लिए करीब 500 मीटर लंबी लाइन लगी। केजीएमयू में यह 114वां वसंतोत्सव है। सवा तीन सौ से अधिक मेडिकोज ने मंदिर परिसर के पार्क को फूलों से सजाया। फूलों से रंगोली बनाई। पार्क में सेल्फी प्वाइंट बनाया। गुरुवार शाम से ही सजावट का काम शुरू हो गया था। एमबीबीएस 2024 बैच के स्टूडेंट दीपक ने बताया कि मां सरस्वती के पूजन के लिए चंद्रिका देवी मंदिर से मां की विशेष ज्योति लाई गई है। ऐसी मान्यता है कि वहां से ज्योति लाकर ही मां का पूजन और अर्चना हर साल होता है। उस परिपाटी को हमने भी आगे बढ़ाया है। केजीएमयू में मां सरस्वती की पूजा वसंत पंचमी के अवसर पर सालों से होती आ रही है। इस साल 114वां वसंतोत्सव है। प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने बताया कि पूजा की तैयारी के लिए सभी का पूरा सहयोग रहता है। इस साल

2024 बैच स्टूडेंट्स को मुख्य जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. अमिय अग्रवाल ने बताया कि वसंत पंचमी से ही मौसम में बदलाव होता है। ये सुखद पर्व सालों से यहां मनाया जाता है। मां शारदा से जुड़ा ये उत्सव हमे ये संदेश देता है कि हम शुचिता पूर्ण जीवन जीएं और ज्ञान अर्जित करें। सोनल जायसवाल ने बताया कि इस पूजन के लिए हमने ही फंड जुटाए हैं। एक दिन पहले मां चंद्रिका मंदिर से ज्योति लाई गई। ज्योति को कैंपस भर में ले जाया जाता है। ये सब गुरुवार को हुआ और आज फिर मेन पूजा हुई। एमबीबीएस 2024 बैच की साधना सिंह ने बताया कि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पूजा में शामिल हुए। उन्होंने ने पूजन की शुरुआत की। पिछले कई दिनों से हमारे बैच के स्टूडेंट्स मिलकर इसकी तैयारी कर रहे थे।

शरारती तत्वों ने दुकान में लगाई आग, सारा सामान जलकर राख

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र स्थित सतरिख रोड पर शुक्रवार देर रात एक सब्जी की दुकान में आग लगने से हड़कंप मच गया। शेखर होटल के पास सड़क किनारे स्थित दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। दुकान संचालक बाबूलाल सड़क किनारे टट्टर शेड लगाकर वर्षों से सब्जी बेचते थे। शुक्रवार रात करीब एक बजे कुछ अज्ञात शरारती तत्वों ने उनकी दुकान में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास से गुजर रही बिजली की लाइन भी चपेट में आ गई, जिससे आसपास के इलाके की बिजली सप्लाई

ठप हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक दुकान पूरी तरह जल चुकी थी। चिनहट पुलिस के अनुसार, घटना स्थल के सामने स्थित दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस फुटेज खंगाल रही है, ताकि आगजनी करने वालों की पहचान की जा सके। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि दोषियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

घूस की बात सुन गुस्साए मंत्री ,दोषियों पर गिरी गाज

लाइनमैन की सेवा समाप्त, जेई निलंबित, एसडीओ और अधिशासी अभियंता का जवाब तलब

जनता को परेशान करना बर्दाश्त नहीं–शर्मा

संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अपने आवास पर जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले पर अत्यंत सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया। इसका नतीजा रहा कि शुक्रवार को एक लाइनमेन की सेवा समाप्त कर दी गई, वहीं जेई को निलंबित किया गया। इसी के साथ दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने तथा जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत मंत्री के समक्ष रखी, जिसे मंत्री श्री शर्मा ने अत्यंत गंभीरता से लिया। मंत्री ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। मंत्री के सख्त तेवरों और जीरो टॉलरेंस नीति का असर यह रहा कि विभाग बिना विलंब किए तुरंत हरकत में आया और देर रात तक कार्रवाई करते हुए दोषियों पर गाज गिराई गई। जेई राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, वहीं लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। एसडीओ रितेश प्रसाद एवं अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम–10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी करते हुए संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्यवाही किए जाने की संस्तुति की गई है। ऊर्जा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि ऊर्जा विभाग जनता की सेवा के लिए है, न कि जनता से अवैध वसूली के लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग कर आम नागरिकों को परेशान करेगा, उसके खिलाफ बिना किसी दबाव या भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बहन की शादी से 14 दिन पहले भाई की हत्या, दोस्तों ने ईंट से सिर कूचा

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव नहर किनारे मिला। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। घटना आज सुबह नगराम थाना क्षेत्र के गुलाल खेड़ा गांव की है। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी ओम प्रकाश (22) पुत्र राम हरख के रूप में हुई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि ईंट से सिर कूचकर युवक की हत्या की गई है। एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ हो रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों के अनुसार, ओम प्रकाश 22 जनवरी की रात 8 बजे घर से निकला था। रात में वह वापस नहीं लौटा। आज सुबह परिजनों द्वारा तलाश किए

जाने पर नहर के किनारे उसका शव मिला। उसका सिर कूचा हुआ था। पूरा चेहरा खून से लथपथ था। आसपास खून बिखरा था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। ओम प्रकाश का शव नहर के किनारे मिला। पास में ही ईंटों से बना चूल्हा था। उसमें राख भरी थी। इससे पुलिस मान रही है कि चूल्हे पर कुछ बनाकर खाया गया था। यह भी सामने आ रहा है कि ओम प्रकाश ने रात में गांव के ही कुछ लोगों के साथ शराब पार्टी की थी। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश घटना से पहले गांव में स्थित एक अंडा रोल की दुकान पर कुछ लोगों के साथ खा–पी रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका आपस में विवाद हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इसे शराब के नशे में हुआ मामूली झगड़ा समझकर नजरअंदाज कर दिया। देर रात तक ओम प्रकाश के घर न लौटने पर परिजन परेशान गए। शुक्रवार सुबह उसकी तलाश शुरू की गई। खोजबीन के दौरान इंदिरा नहर की पटरी पर एक चप्पल पड़ी मिली, जिससे अनहोनी की आशंका हुई। पटरी के किनारे नीचे झांकने पर ओम प्रकाश का शव ढलान पर पड़ा मिला। पुलिस का कहना है कि मौके से शराब की बोतल और पाउच मिले हैं। शुरूआती जांच में आ रहा है कि ओम प्रकाश को किसी करीबी दोस्त ने बुलाया। खाने–पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ। उसके बाद ओम प्रकाश की हत्या कर दी गई। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ओम प्रकाश के परिवार में मां गीता देवी, भाई फूलचंद्र (17), धर्मराज (15) और बहन कोमल (20) हैं। कोमल की शादी तय है। 6 फरवरी को उसकी बारात आनी है। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। ओम प्रकाश की हत्या हो जाने पर शादी की खुशियां गम में बदल गईं। मां गीता देवी और पूरे परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल है। ओम प्रकाश के पिता राम हरख की करीब डेढ़ साल पहले मौत हो चुकी है।

संक्षिप्त

वसंत पंचमी का पर्व भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक-डिप्टी सीएम

संवाददाता

लखनऊ। वसंत पंचमी के पावन स्नान पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों सहित तीर्थराज प्रयागराज की पुण्य धरा पर आस्था और श्रद्धा के भव्य महासंगम में पहुंचे साधु–संतों, श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री मौर्य ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि वसंत पंचमी का पर्व भारतीय संस्कृति, ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। यह पर्व माँ सरस्वती की उपासना का विशेष अवसर है, जो ज्ञान, विवेक और सद्बुद्धि प्रदान करती हैं।

तीर्थराज प्रयागराज में माँ गंगा, माँ यमुना एवं माँ सरस्वती की पावन त्रिवेणी में स्नान कर श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा एवं आत्मिक शांति का अनुभव करते हैं।उन्होंने कहा कि पावन स्नान पर्व समाज में सद्भाव, एकता और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करता है। इस दिव्य अवसर पर देश–विदेश से आए श्रद्धालु, साधु–संत एवं कल्पवासी सनातन संस्कृ ति की महान परंपराओं का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कामना की कि माँ गंगा, माँ यमुना और माँ सरस्वती की असीम कृपा से यह शुभ अवसर सभी के जीवन में ज्ञान, शांति, सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे तथा प्रदेश और देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

ब्रजेश पाठक का अखिलेश यादव पर पलटवार, कहा,सपा का सनातन से कोई लेना–देना नहीं

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विषय पर अखिलेश यादव के आरोपों को लेकर ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सनातन संस्कृति से कोई लेना–देना नहीं है। अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा कि भाजपा सनातन धर्म का अपमान कर रही है।

इस पर जवाब देते हुए शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, समाजवादी पार्टी को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। पहले उसे जवाब देना होगा कि जब अयोध्या धाम में कार सेवक इकट्ठा हुए थे, तो उन्होंने निहत्थे कार सेवकों पर गोली क्यों चलाई और सरयू नदी के पानी को खून से क्यों रंगा। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा, अखिलेश यादव सिर्फ ढोंग कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का सनातन संस्कृ ति से कोई लेना–देना नहीं है। इतिहास समाजवादी पार्टी को कभी माफ नहीं करेगा। समाजवादी पार्टी को जाति आधारित दल बताते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि ऐसे दल जाति–धर्म, संप्रदाय के आधार पर समाज में विभेद डालते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, अगर समाजवादी पार्टी जाति के आधार पर वोट न मांगे तो यह दो टके की पार्टी रह जाएगी। मुस्लिम समाज भी तय कर ले कि वह अपना नुमाइंदा आगे बढ़ाएगा तो समाजवादी पार्टी प्रधानी का चुनाव भी नहीं जीत सकती है। इसी बीच, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं। उन्होंने भारत माता को ब्रिटिश शासन से आजाद कराने के लिए जो संघर्ष किया, वह देश और दुनिया भर के युवाओं को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जहां–जहां आजादी के संघर्ष होते हैं, वहां नेताजी की स्मृतियां उन देशों को प्रेरणा देने का काम करती हैं। प्रदेश सरकार की तरफ से नेताजी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। प्रदेशवासियों से अपील करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ष्मां भारती के तिरंगे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह दुनिया के सर्वोच्च शिखर पर विकसित भारत के संकल्प के साथ पहुंचाने का बीड़ा उठाया है, सभी लोग प्रधानमंत्री मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए तैयार रहें।

कौशल क्रांति को मिलेगा नया आयाम, एक लाख युवाओं को मिलेगा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता को नई गति देने के उद्देश्य से नोएडा परिधान निर्यात क्लस्टर और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एमओयू के तहत आगामी पांच वर्षों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जिलों के 128 विकास खंडों और 10,323 गांवों से जुड़े एक लाख युवाओं को 28 विभिन्न क्षेत्रों में अल्पकालिक, रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद लगभग 70 हजार युवाओं को औद्योगिक इकाइयों में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल की एक प्रमुख विशेषता यह है कि कुल प्रशिक्षुओं में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी। देश के अग्रणी परिधान निर्यात क्लस्टरों में शामिल एनएईसी, उद्योग की जरूरतों के अनुरूप विशेषकर गारमेंट एवं संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। प्रशिक्षण से लेकर प्लेसमेंट तक की पूरी प्रक्रिया एनएईसी के डिजिटल पोर्टल स्कौशल गंगाश के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसके साथ ही कौशल आजीविका और कौशल बाजार पोर्टल प्रशिक्षुओं को आजीविका और बाजार से जोड़ने में सहायक होंगे। इस सहयोग में राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की अहम भूमिका होगी। भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) से मान्यता प्राप्त एससीवीटी प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन और प्रमाणन का कार्य करेगी। एमओयू के तहत एनएईसी द्वारा प्रति प्रशिक्षु 1,200 रुपये प्रमाणन शुल्क एससीवीटी को दिया जाएगा। साथ ही एससीवीटी स्वयं स्तर पर पाठ्यक्रम विकसित कर उन्हें राष्ट्रीय परिषद से अनुमोदित भी कराएगी। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर युवा कुशल बने और उसे रोजगार के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि एनएईसी और एससीवीटी के बीच यह एमओयू उद्योग और शिक्षा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम तथा विशेष सचिव एवं निदेशक, एससीवीटी अभिषेक सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस पहल को प्रदेश की कौशल नीति के क्रियान्वयन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

महिला पत्रकार अपने साहस से कर रहीं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत- मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल से की मुलाकात

पहली बार छत्तीसगढ़ की महिला पत्रकारों के दल ने किया अध्ययन भ्रमण, खुशियों भरी मुस्कान के साथ जताया मुख्यमंत्री का आभार

बीएनई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिला पत्रकार अपने साहस से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत कर रही हैं। मैं उन सभी महिलाओं के साहस को नमन करता हूं जो पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण पेशे में रह कर समाज में सकारात्मक

योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री को महिला पत्रकारों के दल ने गुजराती अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर पहली बार छत्तीसगढ़ से महिला पत्रकारों के दल को अन्य राज्य के अध्ययन भ्रमण पर भेजने के लिए उनका आभार जताया। महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि विगत वर्ष महिला दिवस पर उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष महिला पत्रकारों को भी अध्ययन भ्रमण पर भेजे जाने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्हें बहुत खुशी है कि मुख्यमंत्री ने उन सभी की इस इच्छा को पूरा किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं से चर्चा के दौरान कहा कि इस अध्ययन भ्रमण के दौरान आप सभी ने गुजरात विधानसभा, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, राजकोट, पोरबंदर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझा है। आने वाले समय में ये अनुभव आपकी कलम को और भी समृद्ध करेगा, जिसका लाभ पत्रकारिता जगत के साथ ही आपके पाठकों भी मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष है। इस वर्ष को हम महतारी गौरव वर्ष के रूप में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महिला पत्रकारों से उनके अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को किताब के रूप संजोने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह ना सिर्फ आपके लिए इस भ्रमण को हमेशा के लिए यादगार बनाएगा बल्कि अन्य लोग भी आपकी किताब को पढ़कर गुजरात के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात एक समृद्ध और मॉडल राज्य है। गुजरात की एक खासियत यह भी है कि वहां सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। अमूल सहकारिता का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें मुख्यतः महिलाएं शामिल है। छत्तीसगढ़ में भी हम सहकारिता को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी देश के सहकारिता मंत्री भी हैं। उनके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के लिए बहुत कार्य हो रहा है। सहकारिता इस बात का प्रतीक है कि मिलकर करने से बड़ा काम भी आसान होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण कर रहे हैं। मंत्रालय में अब ई–फाइल प्रणाली लागू है। मुख्यमंत्री साय ने महिला पत्रकारों से अपनी गुजरात यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि गुजरात का सीएम डैशबोर्ड देश का सबसे एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम है जिसके माध्यम से एक जगह बैठकर ही पूरे प्रदेश पर नजर रखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के विकास की नींव रखी थी, हम गुजरात जैसी व्यवस्थाओं को यहां भी लागू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से महिला पत्रकारों ने गुजरात अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को साझा किया। निशा द्विवेदी ने कहा कि इस टूर के माध्यम से उन्हें गुजरात के समृद्ध इतिहास और संस्कृति से रुबरू होने का अवसर मिला। दामिनी बंजारे ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके 8 वर्षों के पत्रकारिता के करियर में पहली बार है जब महिलाओं का दल अध्ययन भ्रमण पर गया है। कोरिया की नूरजहां ने बताया कि यह पहली बार है जब महिलाओं को इस रूप में प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महिला पत्रकारों को ये मौका मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री को महासमुंद की पत्रकार उत्तरा विदानी ने बताया कि गुजरात विधानसभा के भ्रमण में बहुत अच्छा लगा। वहां की खास बात यह देखने को मिली कि बच्चों सहित आमजन को विधानसभा की कार्यवाही को सुगमता से देखने का अवसर दिया जाता है। दुर्ग की पत्रकार कोमल धनेसर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में 25 वर्षों में यह पहला अवसर है जब महिला पत्रकारों को ऐसा मौका मिला है। उन्होंने कहा कि जब हम भ्रमण पर निकले थे तो बहुत सारे अनजाने चेहरे थे और लौटे हैं तो नए दोस्त और नई बॉन्डिंग के साथ। रायपुर की पत्रकार नेहा श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री को बताया कि हम सभी पत्रकार अलग– अलग संस्थानों में काम करते हैं। व्यस्तता की वजह से हमारी बात नहीं हो पाती। ये टूर रूटीन से अलग एक अनुभव रहा जिसमें नये दोस्त बने। रचना नितेश ने मुख्यमंत्री को बताया कि ये अनुभव ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध करने वाला था। उन्होंने कहा कि एक खास बात ये रही कि हमारे दल में महिला पत्रकारों की 3 पीढ़ियां शामिल थीं। हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। बस्तर की पत्रकार प्रियंका जायसवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ की पहचान बस्तर से है। टूर पर जाते समय नए माहौल की वजह से मन में कई आशंकाएं थीं। मगर बाद में यह अनुभव बहुत सुखद रहा। कोरबा की राजश्री गुप्ते ने बताया कि 8 दिनों के इस टूर में ऐसा लगा कि हमने अपने बचपन को फिर से जी लिया है। मुख्यमंत्री साय को महिला पत्रकारों ने बताया कि कई लोगों की यह पहली हवाई यात्रा भी थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने बड़ी आत्मीयता से पत्रकारों से कहा कि जो पहली बार हवाई यात्रा करते हैं उन्हें पार्टी देनी पड़ती है। मुख्यमंत्री की बात सुनकर पूरे सभागार में हंसी गूंज उठी। महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री साय से एक रोचक वाकया भी साझा किया। उन्होंने बताया कि गुजरात भ्रमण के दौरान उनका इंटरेक्शन कुछ फ्रेंच पर्यटकों से हुआ। यह जानने पर की महिला पत्रकार छत्तीसगढ़ से हैं, फ्रेंच पर्यटक ने कहा– ओह सीएम विष्णुदेव छत्तीसगढ़ ! ये सुनकर उन्हें बहुत गर्व हुआ कि छत्तीसगढ़ राज्य को विदेशी नागरिक भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम से पहचान रहे हैं। महिला पत्रकारों ने जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों का भी आभार जताया जिन्होंने आठ दिवसीय इस अध्ययन भ्रमण में उनका पूरा ख्याल रखा। इस अवसर पर आयुक्त जनसंपर्क डॉ रवि मित्तल, अपर संचालक जनसंपर्क संजीव तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित जनसंपर्क विभाग के अधिकारीगण और महिला पत्रकार उपस्थित थे।

एनटीपीसी सिंगरौली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रध्दा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

बीएनई

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन शक्तिनगर टाउनशिप स्थित नेताजी सुभाष चंद्र पार्क में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप नायक, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली रहे। उनके साथ इस अवसर पर प्रज्ञा नायक, अध्यक्षा (वनिता समाज) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपने संबोधन में नायक ने नेताजी के साहस, नेतृत्व क्षमता एवं अद्वितीय राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए कहा कि नेताजी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि "नेताजी सुभाष चंद्र बोस का दृढ़ संकल्प तथा 'आजाद हिंद फौज' के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में दिया गया योगदान भारत के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। उनके विचार एवं आदर्श आज भी हमें राष्ट्र निर्माण के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं।" कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं

उपस्थितजनों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों एवं उनके अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरौली के सी.एच. किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), सिद्धार्थ मण्डल, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, वनिता समाज की सम्माननीय सदस्याएं, एनटीपीसी कर्मचारियों के परिवारजन तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। एनटीपीसी सिंगरौली परिवार द्वारा इस अवसर पर देश के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया गया।

भारत एप डाउनलोड में दुनिया में सबसे आगे, माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म ने भी बढ़ाई गति

एजेंसी, नई दिल्ली। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने की तेज रफ्तार के चलते भारत एप डाउनलोड के मामले में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। आलम यह है कि देश में 2025 में 25.5 अरब एप डाउनलोड हुए, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है। खास बात है कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जहां एप डाउनलोड में सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, डाउनलोड की यह संख्या 2023 के 25.9 अरब से कम, लेकिन 2024 के 24.6 अरब की तुलना में ज्यादा है। सेंसर टावर की स्टेट ऑफ मोबाइल 2026 रिपोर्ट में कहा गया है कि एप डाउनलोड के साथ यूजर्स के जुड़ाव में भी वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीयों ने बीते साल इन एप्स पर 1.23 लाख करोड़ घंटे खर्च कर डाले, जो 2024 के 1.13 लाख करोड़ घंटे की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन एआई और माइक्रोड्रामा एप्स के उदय ने मिलकर भारत में डाउनलोड एवं इंगेजमेंट ट्रेंड्स को बदल दिया।

एनटीपीसी सिंगरौली में कर्मचारी विकास केंद्र एवं टाइनी टॉट्स, वनिता समाज में सरस्वती पूजन का भव्य आयोजन

बीएनई

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली में विद्या, ज्ञान, संगीत एवं कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के पावन अवसर पर कर्मचारी विकास केंद्र एवं टाइनी टॉट्स, वनिता समाज परिसर में सरस्वती पूजन का श्रद्धापूर्वक एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शिक्षा तथा ज्ञान की परंपरा को सुदृढ़ करते हुए नई पीढ़ी में संस्कार एवं सकारात्मक मूल्यों का संचार करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप नायक, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी सिंगरौली रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रज्ञा नायक, अध्यक्षा, वनिता समाज, सी. एच. किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) तथा रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक (परियोजना) की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सिद्धार्थ मंडल, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं डी. सी. गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (टीएडी) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही कार्यक्रम में वनिता समाज की सदस्याओं, मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों का सहयोग एवं सहभागिता अत्यंत सराहनीय रहा। पूजन कार्यक्रम विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। उपस्थित अतिथिगणों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर संस्थान, कर्मचारियों एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामना की गई। टाइनी टॉट्स के बच्चों एवं उपस्थित सदस्यों ने भक्ति एवं सांस्कृतिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में सहभागिता करते हुए आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायी बनाया। इस अवसर पर टाइनी टॉट्स में बच्चों के उपयोग हेतु निर्मित एक शेड का भी मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथिगणों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि संदीप नायक ने अपने संदेश में कहा कि सरस्वती पूजन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुशासन एवं निरंतर सीखने की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी जैसे संगठन की प्रगति का आधार "ज्ञान–विकास, कौशल उन्नयन और मानव संसाधन की निरंतर क्षमता वृद्धि" है, जिसके लिए कर्मचारी विकास केंद्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वनिता समाज द्वारा टाइनी टोट्स जैसे सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में संस्कार, शिक्षा एवं सृजनात्मकता का विकास राष्ट्र–निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। अध्यक्षा वनिता समाज प्रज्ञा नायक ने कहा कि टाइनी टॉट्स में सरस्वती पूजन का उद्देश्य बच्चों के भीतर शिक्षा के प्रति सम्मान, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना है। उन्होंने सभी सहयोगी सदस्यों, यूनियन एवं एसोसिएशन तथा मानव संसाधन विभाग का आभार व्यक्त किया, जिनके समन्वय से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूरे आयोजन में श्रद्धा, शांति एवं उल्लास का वातावरण रहा। कार्यक्रम का समापन माँ सरस्वती से समस्त उपस्थित जनों के ज्ञानवर्धन, प्रगति एवं कल्याण की प्रार्थना के साथ किया गया।

महिलाओं को स्थानीय उत्पादों से आत्मनिर्भर बनाएगी लूम्स ऑफ नीति–माणा

एक पहाड़ी शिल्प, एक आजीविका, एक आत्मनिर्भर भविष्य

बीएनई

चमोली। चमोली जिले के नीति–माणा क्षेत्र की महिलाएं और चरवाहा समुदाय पीढ़ियों से ऊन बुनने का काम करते आए हैं। मोटी पंखी, लोई, थुलमा और चुटका जैसे ऊनी वस्त्र कभी इस इलाके की पहचान थे। इन्हें स्थानीय पालसी भेड़ों की स्वदेशी ऊन से बुना जाता था। यही ऊन हिमालय की ठंड से बचाव करती थी और यही लोगों की आजीविका भी थी।

लेकिन समय के साथ बाज़ार ने सब कुछ बदल दिया। अब इन गांवों में साल में कई बार ऐक्रेलिक धागों से भरे ट्रक आते हैं। ये सस्ते, चमकदार धागे पहाड़ की महिलाओं को लुभाते हैं क्योंकि इनसे टोपियाँ, मोज़े और स्वेटर जल्दी बनाए जा सकते हैं। बद्रीनाथ जैसे तीर्थस्थलों में ये सामान खूब बिकते हैं। महिलाएं इन्हें 100, 200 रुपये में बेच देती हैं और उन्हें लगता है कि वे अच्छी कमाई कर रही हैं। जबकि वस्तुस्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है – असल में व्यापारी कमा रहे हैं। महिलाओं की मेहनत सस्ती कच्ची सामग्री और कम दाम में फँसकर रह जाती है। पारंपरिक ऊन, मौलिक बुनाई और असली पहचान धीरे–धीरे खत्म होती जा रही है।

उत्तराखण्ड में लूम्स ऑफ नीति–माणा का उद्देश्य बहुत सरल है: महिलाओं को मजदूर नहीं, मालिक बनाना है।

1.पारंपरिक ऊन शिल्प को पुनर्जीवित करना, पालसी भेड़ों की स्वदेशी ऊन से बने असली हिमालयी वस्त्रों को वापस बाज़ार में लाना।

2. भांग और ऊन आधारित नए उत्पाद विकसित करना ताकि पहाड़ की सामग्री से प्रीमियम और टिकाऊ उत्पाद बन सकें।

3. गांवों में उत्पादक सहकारी संस्थाएं बनाना ताकि महिलाएं और कारीगर मिलकर तय करेंगें, क्या बनेगा, कैसे बनेगा और किस दाम पर बिकेगा। लूम्स ऑफ लद्दाख की संस्थापक अभिलाषा बहुगुणा ने बताया कि हमने यह प्रयोग लद्दाख में किया, वहां की महिलाओं के द्वारा स्थानीय ऊन का प्रयोग करके तथा बाजार की मांग को देखते हुए नये डिजाइन के उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं। इससे मोड़–जब नीति–माणा सहकारी के सदस्य दिल्ली की प्रदर्शनी में जाने लगे, तो वे दुविधा में थे कि क्या सस्ते ऐक्रेलिक उत्पाद ले जाएं या अपनी स्वदेशी ऊन से बने महंगे, असली उत्पाद? उन्हें डर था कि शहर के ग्राहक सिर्फ सस्ता चाहते हैं। लेकिन हुआ इसका बिल्कुल उलट। दिल्ली में उनके स्वदेशी ऊन उत्पाद प्रीमियम कीमतों पर बिके। लोगों ने गुणवत्ता, कहानी और हिमालयी विरासत को पहचाना। यह

स्थानीय महिलाओं में बडा उत्साह देखने को मिला और महिलाओं द्वारा यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक किया जा रहा है और इससे स्थानीय महिलाओं की आय में कई गुना बृद्धि दर्ज की गई है। इसीलिए यह कार्यक्रम हम नीति–माणा में भी कर रहे हैं जिससे यहां की महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

दिल्ली प्रदर्शनी: एक ऐतिहासिक सिर्फ सामान्य विक्रय नहीं था, यह आत्मविश्वास की वापसी थी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) चमोली के जिला विकास प्रवन्धक श्रेयांश जोशी ने बताया कि महिलाओं और कारीगरों को स्थानीय उत्पाद से बाज़ार की माँग के अनुसार हस्तकरघा के उत्तम क्वालिटी के नयी नयी डिजाइन के उत्पाद बनेंगे तो निश्चित तौर पर स्थानीय महिलाओं की आजीविका में सुधार आयेगा उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में नाबार्ड सदैव सहयोग करता रहता है। नीति–माणा सहकारी समिति को लूम्स ऑफ लद्दाख महिला टीम की संस्थापक अभिलाषा बहुगुणा, मानव सेवा समिति के महेश खँकरियाल और नीति–माणा सहकारी समिति के निर्वाचित सदस्य कुंदन सिंह टकोला, नंदी राणा, किशोर बडवाल और नरेंद्र राणा मिलकर इस पूरी व्यवस्था को खड़ा कर रहे हैं। यहाँ सिर्फ बुनाई नहीं, भविष्य को बुना जा रहा है। नीति–माणा सहकारी समिति का मतलब है महिलाएं अब केवल धागा नहीं, वे अपना भविष्य बुनेंगी। जहां पहले वे सस्ते धागों में फँसी थीं, अब वे अपनी ऊन, अपने हाथ और अपनी पहचान की मालिक खुद बनेंगी। यह चमोली के पहाड़ों से एक आत्मनिर्भर, सम्मानजनक और टिकाऊ आजीविका की शुरुआत है।

पैपराजी को देखते ही करिश्मा कपूर ने छिपाया चेहरा; यूजर बोले- ऐसा क्यों किया? वीडियो वायरल

एजेंसी

अभिनेत्री करीना कपूर और करिश्मा कपूर अक्सर काफी सहज अंदाज में पैपराजी के सामने पोज देती नजर आती हैं। एयरपोर्ट पर या कभी यूं ही किसी सेट आदि पर उन्हें कई बार स्पॉट किया जाता है। एक्ट्रेस के स्टाइलिश लुक काफी वायरल होते हैं। मगर, हाल ही में करिश्मा कपूर पैपराजी के सामने काफी असहज दिखीं। उन्होंने अपना चेहरा तक छिपा लिया। कैमरा देखते ही एक्ट्रेस ने बदला रास्ता करिश्मा कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वे कैप्री और टॉप पहने दिख रही हैं। हाथ में बैग थामे वे अपनी कार से उतरती हैं। तभी पैपराजी उनकी वीडियो और फोटो कैप्चर करने दौड़ते हैं। मगर, करिश्मा को जैसे ही इस बात का अहसास हुआ, उन्होंने अपना तुरंत चेहरा छिपा लिया और फिर एकदम से मुड़कर दूसरी तरफ चली गईं। सपोर्ट में आए नेटिजन्स, पैपराजी को दी सलाह करिश्मा कपूर नो मेकअप लुक में नजर आ रही हैं, संभव है कि इस तरह वे पैपराजी के सामने आने में असहज हों। हालांकि, नेटिजन्स इस वीडियो पर उन्हें ट्रोल नहीं कर रहे, बल्कि सपोर्ट कर रहे हैं। साथ ही पैपराजी को दूसरों की निजता का ख्याल रखने की सलाह दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, श्वो बिना मेकअप के हैं। बेशक वे अपना चेहरा ही छिपाएंगीश। एक यूजर ने लिखा, श्उन्हें अकेला छोड़ दो। उनकी प्राइवेसी का कुछ तो सम्मान रखोश। वहीं, कुछ यूजर्स करिश्मा से पूछ रहे हैं, उन्होंने चेहरा क्यों छिपाया। बता दें कि करिश्मा का यह पुराना वीडियो है, जो एक बार फिर वायरल हो गया है।

हत्या और लूट का वांछित एक लाख का इनामिया बदमाश पुलिस ने दबोचा

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जिला पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की टीम ने एक लाख रुपये के इनामी बदमाश जसवंत उर्फ पंकज चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। यह बदमाश चार महीने से फरार था और एक महिला की हत्या तथा लूटपाट के मामले में वांछित था। यह घटना 22 सितंबर 2025 को सदर कोतवाली क्षेत्र के कुतुलूपुर मोहल्ले में हुई थी। जसवंत और उसके भतीजे सूरज ने सुनीता श्रीवास्तव के घर में टाइल्स लगाने का काम करते हुए सुनीता की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी। उन्होंने सुनीता की बड़ी बेटी दिया श्रीवास्तव को बंधक बनाकर घर में लूटपाट भी की थी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही बदमाश सूरज को रामपुर गढ़ी के पास मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया था।

जसवंत उर्फ पंकज चौहान तभी से फरार चल रहा था। जिस पर अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

कन्नौज पुलिस और एसटीएफ टीम को मुखबिर से तिर्वा क्षेत्र में जसवंत के होने की सूचना मिली। पुलिस टीमों ने घेराबंदी की। शुक्रवार दोपहर तिर्वा रोड पर उसकी बाइक खराब हो गई, जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया। जसवंत के पास से पुलिस ने एक चांदी की मूर्ति, एक चांदी की अंगूठी और 16,680 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस पूछताछ में जसवंत ने कबूल किया कि उसने और उसके भतीजे (दामाद) सूरज कश्यप ने सुनीता के घर टाइल्स लगाते समय मौका देखकर सुनीता और उनकी बेटी को बंधक बनाया था। उन्होंने उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और सुनीता की हत्या कर घर से जेवर व रुपए लूटकर मोटरसाइकिल से भाग गए थे। उसने लूटे हुए जेवर विजय ज्वैलर्स, ग्राम छपिया, थाना तुलसीपुर को बेचे थे।

जसवंत ने बताया कि भतीजे सूरज के पकड़े जाने के बाद से वह इधर–उधर छिप रहा था। शुक्रवार को वह तिर्वा से कन्नौज आ रहा था, तभी तिर्वा रोड पर बाइक खराब हो गई। उसने अपनी मोटरसाइकिल मंदिर से आगे नायरा पेट्रोल पंप की तरफ खड़ी की थी, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743